इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

हिंदी विभाग

हिंदी अध्ययन मण्डल

बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित सेमेस्टर प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) वर्ष 2021–2022 से प्रभावी

Proposed Course Structure of the academic program with multiple entry and exit and credit distribution as per UGC guideline (New Education Policy)

Semester	Disciplinary Major 40-56	Minors 24		Multidisciplinary (Major) 40-56	Vocational 12	Value- based Course (Only Qualifying)	Total Credits	Entry/Exit options
		Minors 1	Minors 2					
1st	4+2	2	2	4+2	2+2	Language (Communication)	20	Entry
2nd	4+2	2	2	4+2	2+2	**Computer application**	**40**	**Certificate** (Exit)
3rd	4+2	2	2	4+2	2+2	Environmental Studies	60	Entry
4th	4+2	2	2	4+2	2+2	**Disaster Management**	**80**	**Diploma** (Exit)
5th#	6without internship or 6+4 with internship	2	2	6without internship or 6+4 with internship	-	Creative Expression I	100	Entry
6th#	10+ 2 Or 4	2	2	10+ 2 Or 4	-	Creative Expression II	**120**	**Bachelor Degree*** (Exit)
7th#	12+ 2 Or 6			12+ 2 Or 6	-		140	Entry
8th			Research 20				**160**	**Bachelor Hons/Res**. Degree**(Exit)
9th			20 (4+4+4+4+2+2) (The Division of credit depend on the nature and requirement of the subject)				180	Entry
10th			20 (4+4+4+4+2+2)(The Division of credit depend on the nature and requirement of the subject)				200	**One Year Master Degree** or PG Diploma***(Exit)

The four-year undergraduate program should comprise, 1. Disciplinary Majors (40-56 credits), 2. Multi-/Inter-disciplinary Majors (40-56), 3. Disciplinary/Inter-disciplinary Minors (20-28), 4. Vocational (12-18), and Field Visits/Internships/Apprenticeship/Community engagement & service (24-32 credits).#Students will choose any one option for disciplinary/inter-disciplinary majors but not the same option for both.

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)
हिंदी विभाग
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 चयन पर आधारित क्रेडिट सिस्टम हिंदी पाठ्यक्रम
प्रश्नपत्रः क्रम एवं पद्धति

		Disciplinary Major कुल प्रश्नपत्र **(08)**					
सेमेस्टर	प्रश्नपत्र क्रम	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का नाम	सैद्धांतिकी		प्रायोगिक कार्य	
				क्रेडिट	पूर्णांक	क्रेडिट	पूर्णांक
1	1	UG_HLDSM01	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	100	2	50
2	2	UG_HLDSM02	मध्यकालीन हिन्दी कविता	4	100	2	50
3	3	UG_HLDSM03	आधुनिक हिन्दी कविता	4	100	2	50
4	4	UG_HLDSM04	हिन्दी गद्य साहित्य	4	100	2	50
5	5	UG_HLDSM05	साहित्यशास्त्र	4	100	2	50
6	6	UG_HLDSM06	समकालीन विमर्श	4	100	2	50
7	7	UG_HLDSM07	अनुसंधान पद्धति	4	100	2	50
8	8	UG_HLDSM08	लघु शोध प्रबंध	20			100
		Minor-2 कुल प्रश्नपत्र (06)		क्रेडिट	पूर्णांक	क्रेडिट	पूर्णांक
1	1	UG_HLM$_2$01	कार्यालयी हिन्दी	2	50		
	2	UG_HLM$_2$02	लोक साहित्य	2	50		
2	3	UG_HLM$_2$03	भाषा शिक्षण	2	50		
	4	UG_HLM$_2$04	आधुनिक भारतीय साहित्य	2	50		
3	5	UG_HLM$_2$05	सम्भाषण कला	2	50		
	6	UG_HLM$_2$06	आदिवासी साहित्य	2	50		
4	7	UG_HLM$_2$07	भाषा कम्प्यूटिंग	2	50		
	8	UG_HLM$_2$08	दलित साहित्य	2	50		

5	9	UG_HLM$_2$09	रंग आलेख और रंगमंच	2	50		
	10	UG_HLM$_2$10	स्त्री साहित्य	2	50		
6	11	UG_HLM$_2$11	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	50		
	12	UG_HLM$_2$12	कला साहित्य और हाशिए का समाज	2	50		
		Vocational कुल प्रश्नपत्र (04)		क्रेडिट	पूर्णांक	क्रेडिट	पूर्णांक
1	1	UG_HLV01	चलचित्र लेखन	2		2	100
2	2	UG_HLV02	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	2		2	100
3	3	UG_HLV03	अनुवाद	2		2	100
4	4	UG_HLV04	सम्पादन प्रक्रिया और साज सज्जा	2		2	100

पाठ्यक्रम में निर्धारित DSM और MDM का प्रश्नपत्र एक ही रहेगा

पाठ्यक्रम की संरचना - (DSM+M_1 +M_2+MDM+V+VBC)

कुल क्रेडिट – (DSM+ M_2+V) = 90

कुल पूर्णांक – (1150+300+400) = 1850

Minor$_1$ और Value baed Course (VBC) विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ना अनिवार्य है। जिसका क्रेडिट प्रमाण पत्र के साथ जुड़ेगा।

MDM पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थी द्वारा चयनित होगा। यह विषय सुसंगतता के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।
Minor-2 में पाठ्यक्रम में से प्रत्येक सेमेस्टर में दो में से केवल एक पाठ्यक्रम या दोनों पाठ्यक्रम विद्यार्थी के चयन के आधार पर पढ़ाया जाएगा।

हिंदी अध्ययन मंडल में उपस्थित सदस्यगण

प्रो. रेनू सिंह *अध्यक्ष* *हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)*	*प्रो. चन्दा बैन* *अध्यक्ष* *हिंदी विभाग* *डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)*
प्रो. आलोक श्रोत्रिय *अध्यक्ष* *प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)*	 *प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी* *अध्यक्ष हिन्दी* *विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर (उ.प्र.)*
प्रो. प्रसन्न कुमार सामल *अधिष्ठाता* *जनजातीय अध्ययन संकाय* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)*	*डॉ. प्रवीण कुमार* *सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)*
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप *सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग* *इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)*	

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्यप्रदेश)
शैक्षणिक सत्र– 2021–2022 से प्रभावी
स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम (सी.बी.सी.एस.,सेमेस्टर प्रणाली)
प्रश्नपत्र मूल्यांकन पद्धति

सत्र 2021–22 से चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम में लागू की गई है। प्रत्येक सेमेस्टर के प्रत्येक प्रश्नपत्रों में 60 अंकों की बाह्य मूल्यांकन परीक्षा एवं 40 अंकों की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। सभी प्रश्न पत्रों में मूल्यांकन के लिए प्रश्नों की संख्या विकल्प (दीर्घउत्तरीय) के साथ होगा।

बाह्य प्रश्नपत्रों का अंक विभाजन

दीर्घउत्तरीय प्रश्न– 12×05=60

कुल पूर्णांक = 60

व्याख्या वाले प्रश्नपत्रों का अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

खण्ड (क)– व्याख्यात्मक प्रश्न– 06×02=12
खण्ड (ख)– दीर्घउत्तरीय प्रश्न– 12×04=48

कुल पूर्णांक = 60

आंतरिक मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन का अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

प्रथम आंतरिक परीक्षा–	10
द्वितीय आंतरिक परीक्षा–	10
अधिन्यास(परियोजना कार्य)–	10
प्रस्तुति(शोधपत्र वाचन)–	10

कुल पूर्णांक = 40

प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन की पद्धति

आंतरिक परीक्षा (परियोजना कार्य और शोधपत्र वाचन) – 20
बाह्य परीक्षा – 30

कुल पूर्णांक = 50

Minor-2पाठ्यक्रम का मूल्यांकन आंतरिक और बाह्य परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।
आंतरिक परीक्षा (परियोजना कार्य और शोधपत्र वाचन) – 20
बाह्य परीक्षा – 30

कुल पूर्णांक = 50

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम हिंदी पाठ्यक्रम का विज़न

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की संरचना का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सी.बी.सी.एस. (चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम) शिक्षण–अधिगम प्रणाली पर केन्द्रित है। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सी.बी.सी.एस. के लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के विज़न को समाहित किया गया है।

प्रस्तुत हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम पारंपरिक हिंदी साहित्य के अध्ययन के साथ–साथ उसके क्रमिक विकास की प्रक्रिया को समझने में मद्दगार साबित हो सकता है। इसी के साथ यह पाठ्यक्रम साहित्य के अंतरविषयक ज्ञान के व्यापक फलक को अपने कलेवर में समाहित करता है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम साहित्य और समाज के विकास की अवधारणा को रेखांकित करते हुए समाज और साहित्य के समसामयिक विमर्श को भी वैज्ञानिक–वस्तुनिष्ठ दृष्टि से अवलोकन के लिए शिक्षार्थी को तैयार करता है। जिससे शिक्षार्थी न केवल अपने कौशल को संवर्द्धित कर सकते हैं बल्कि अपने अनुशासनात्मक ज्ञान को भी परिष्कृत एवं परिमार्जित कर सकते हैं और अपने जीवन को सार्थक एवं रोजगारोन्मुख बना सकते हैं।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति
हिंदी विभाग
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय
जनजातीय विश्वविद्यालय

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM01	पाठ्यक्रम	हिन्दी साहित्य का इतिहास
सेमेस्टर–01	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

काल विभाजन एवं नामकरण।

आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

आदिकालीन काव्य धाराएँ– सिद्ध, नाथ जैन एवं रासो काव्य ।

इकाई– (2)

भक्ति आन्दोलन की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

प्रमुख धाराएं एवं कवि

भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई– (3)

रीतिकाल की समाजिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त कवि तथा काव्य प्रवृत्ति।

इकाई– (4)

1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण

भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख कवि और गद्यकार ।

इकाई– (5)

हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उद्भव और विकास

साहित्यिक आन्दोलन, प्रवृत्ति, नामकरण एवं सीमांकन।

प्रायोगिकः दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा। जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथः

हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्यः उद्भव और विकास– हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिंदी साहित्य का अतीत– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य का इतिहास– सं. नगेन्द्र
हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– बच्चन सिंह इतिहास क्या है– ई.एच.कार
हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– रामकुमार वर्मा
हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– गणपतिचंद्र गुप्त
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– विश्वनाथ त्रिपाठी
हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारीप्रसाद द्विवेदी
साहित्य का इतिहास दर्शन– नलिन विलोचन शर्मा
साहित्य का इतिहास दर्शन– जगदीश्वर चतुर्वेदी
हिंदी साहित्य का आधा इतिहास– सुमन राजे
रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारकी सभा,
हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास,
हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
रामविलास शर्मा– भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परंपरा
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत
प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
के. दोमोरान – भारतीय चिंतन परम्परा
शिवकुमार मिश्र – भक्तिकाव्य और लोकजीवन
गोविन्द त्रिगुणायत – कबीर की विचारधारा
मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास
रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
रामविलास शर्मा– महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि
नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी
विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास
नामवर सिंह – कविता के नये प्रतिमान
देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग
ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
राजेन्द्र यादव/ अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य,
महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ
बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
श्यौराज सिंह बेचैन/ देवेन्द्र चौबे, सं.– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य
विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास
जयप्रकाश कर्दम– इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन)
मोहनदास नैमिशराय – हिंदी दलित साहित्य

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	: UG_HLDSM02	पाठ्यक्रम	मध्यकालीन हिंदी कविता
सेमेस्टर–02	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि की कविताओं की व्याख्या एवं काव्य आलोचना दोनों समाहित है।

(1) **कबीरदास**

कबीर ग्रंथावली– श्याम सुंदरदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

1. पद– संतो भाई आई ग्यान की आंधी,
2. बालम आब हमारे गेह रे,
3. मोको कहां ढूंढे बंदे,
4. एक निरंजन अलह मेरा,
5. एक अचंभा ऐसा भया,
6. काहे री नलिनी, अब का करू
7. साखी– सांच कौ अंग– 2, 16
8. विरह कौ अंग– 2,3,6,12, 22

(2) मलिक मुहम्मद जायसी –

सुनतहि राजा गा मुरझाई। जानौं लहरि सुसज कै आई।।

बंधु मीति बहुतै समुझावा।

मैं एहि अरथ पंडितन्ह बूझा।

मुहमद कवि यह जोरि सुनावा। सुना सो परिप्रेमकर पाया।

(3) **सूरदास**

भ्रमरगीत सार – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पद– 23, 64, 76, 85

(4) **तुलसीदास**

–रामचरितमानस (बालकांड) गीताप्रेस, गोरखपुर, पद– 240 से 245 तक

–कवितावली (उत्तरकांड) गीताप्रेस, गोरखपुर, पद– 91, 97, 98, 105, 107

(5) **मीराबाई**

(क) मीराबाई की पदावली– सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

पद– तनक हरि चितवां, आली री म्हारे, माई सॉवरे रंग रॉची, पग बांध घूंघरयां, म्हारो री गिरधर गोपाल दूसरा णॉ क्यॉ, हेरी म्हा तो दरद दिवांणी, सॉवरे मारया तीर

(6) **रसखान**

मानुष हौ तो वहीं 'रसखानि' बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।

मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं गुंज की माल गरे पहिरौंगी।

कान्ह भए बस बॉसुरी के अब कौन सखी हमकों चहिहै।

बैन वही उनको गुन गाई और कान वही उन बैन सों सानी।

खंजन नैन फँदे पिंजरा छवि नाहि रहै थिर कैसहूँ भाई।

(7) **बिहारी**

बिहारी– बिहारी रत्नाकर सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, शिवाला, वाराणसी

दोहे– मेरी भवबाधा हरौ, बतरस लालच लाल की, कहत नटत, बसै बुराई जासु तन, अनियारे दीरघ दृगनु, तजि तीरथ हरि राधिका, ओछे बड़े न ह्वै सकैं, कर मुंदरी की आरसी, नहिं पावस ऋतुराज, इहीं आस अटक्यौ रहतु, अंग–अंग छवि की, नहि पराग नहि मधुर

(8) **भूषण**

साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चहि

पावक तुल्य अमीतन को भयो, मीतन को भयों धाम सुधा को;

इंद्र निज हेरत–फिरत गज इंद्र, अरू, इंद्र को अनुज हेरैं दुगध नदीस को

का मिनि कतस चामिनि चंनू सौ

पावक तुल्य अमीतन को भयो

(9) **घनानंद**

घनानंद ग्रंथावली– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
पद– नेही महाब्रजभाषा प्रवीन और सुंदरतानि के भेद कौ जानै।
प्रेम सदा अति ऊंचो लहै सु कहै इति भांति की बात छकी।
पहिले अपनाय सुजान सनेह।
अति सूधो सनेह को मारग है, जहां नेकु सयानप बॉक नहीं।
रावरे रूप की अनूप नयो नयो लागत ज्यों –ज्यों निहारिए।

प्रायोगिक :
दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ :
कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्यः शिवकुमार मिश्र

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य– मैनेजर पाण्डेय

त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल

भक्ति काव्य की भूमिका– प्रेम शंकर

पद्मावत का मूल्यांकन : डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. हरेन्द्र प्रताप सिन्हा

गोस्वामी तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानु सिंह

मन मानस में राम – प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी

पचरंग चोला पहन सखी री : माधव हाड़ा

बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह

बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

घनानंद और रचछन्द काव्यधारा– मनोहर लाल गौड.

रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र

सूरदास– रामचन्द्र शुक्ल

रसखान – रत्नावली प्रभात प्रकाशन

भूषण और उनका साहित्य राजमल बोरा बिनोद पुस्तक मंदिर आगरा

घनानंद का काव्य : राम देव शुक्ल ,

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM03	पाठ्यक्रम	आधुनिक हिंदी कविता
सेमेस्टर–03	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इस पाठ्यक्रम को पढ़ाते हुए कविता के विकास क्रम और काव्य संवेदना का आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1

– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – रोअहूं सब मिलकै आवहूं भारत भाई, चूरन का लटका
– अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – उठो उठो वीरो चीरो अरि के करेजन को, कर्मवीर
– मैथिली शरण गुप्त – मातृभूमि विचित्र संग्राम
– माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला

इकाई–2

– जयशंकर प्रसाद – अरूण यह मधुमय देश, ले चल मुझे भुलावा देकर
– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– जागो फिर एक बार, भिक्षुक
– सुमित्रानन्दन पंत– नौका विहार, परिवर्तन
– महादेवी वर्मा – मै नीर भरी दुःख की बदली, जीवन विरह का जलजात

इकाई–3

– अज्ञेय – कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, यह दीप अकोला
– मुक्तिबोध – भूल गलती, एक रंग का राग
– नागार्जुन– अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, कालीदास
– शमशेर – सूना सूना पथ है उदास झरना , वह सिलोना जिस

इकाई–4

– सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा वसंत, जलियाँ वाला बाग में वसंत
– नरेश मेहता – रोज रोज, चैत्य पुरूष
– भवानी प्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल कहीं नहीं बचे

– रामधारी सिंह दिनकर – मनुष्यता, समर शेष हैं

इकाई–5

– धूमिल – अकाल दर्शन, मोचीराम

– केदारनाथ सिंह – सुई और तागे के बीच में, पानी की प्रार्थना

– कुंवर नारायण – आह्वान, उपरान्त जीवन

– सर्वेश्वर दयाल शक्सेना – मैने कब कहा, हम ले चलेंगे।

प्रायोगिक :
दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ :

प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर

सुमित्रा नंदन पंत – नगेन्द्र

छायावाद– डॉ. नामवर सिंह

आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह

महादेवी : दूधनाथ सिंह

निराला आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

निराला की साहित्य साधना : दूधनाथ सिंह

समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : रामकली सराफ

समकालीन हिन्दी कविता : तीन दशकः अशोक त्रिपाठी

समकालीनता और साहित्यः राजेश जोशी

शमशेर बहादुर सिंह– दोआब

गजानान माधव मुक्तिबोध– कामायनी : एक पुनर्विचार

रामविलास शर्मा– निराला की साहित्य साधना

दूधनाथ सिंह–निराला : एक आत्महन्ता आस्था

ई0 पी0 चेलिशेव– सुमित्रानन्दन पन्त तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परम्परा और नवीनता

नगेन्द्र –सुमित्रानन्दन पन्त

जगदीष गुप्त – महादेवी वर्मा

रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक कविता खण्ड)

रमेश चन्द्र शाह– छायावाद की प्रासंगिकता

प्रेमशंकर– प्रसाद का काव्य

नन्ददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी

शचीरानी गुर्टू, सं0– महादेवी

देवराज –छायावाद का पतन

नामवर सिंह– छायावाद

नामवर सिंह– आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां

नरेश मेहता – अरण्या

कुँवर नारायण – तट पर हूँ पर तटस्थ नहीं (भेंटवार्ताएँ)

कुँवर नारायण – आज और आज से पहले

कुँवर नारायण – वाजश्रवा के बहाने

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM04	पाठ्यक्रम	हिंदी गद्य साहित्य
सेमेस्टर–04	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

हिन्दी गद्य के विभिन्न विधाओं के उद्भव विकास एवं प्रांसगिकता के साथ आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

ईकाई : 01 कहानी

नमक का दारोगा - प्रेमचंद

आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद

परदा - यशपाल

वापसी - उषा प्रियंवदा

ईकाई : 02 उपन्यास

त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार

ईकाई : 03निबंध

बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

रामचन्द्र शुक्ल - कविता क्या है?

हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल

रामधारी सिंह 'दिनकर' – भारत की सांस्कृतिक एकता

इकाई 04 हिन्दी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी

जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी

इकाई 05 अन्य गद्य विधाएं

संस्मरण – कांति कुमार जैन –गजानन माधव मुक्तिबोध : नागपुर में महागुरू (जो कहूँ सच कहूँगा)

रेखाचित्र – हजारी प्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना

फणीश्वर नाथ रेणु – ऋणजल धनजल

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथः

जैनेन्द्र कुमार– कहानी : अनुभव और षिल्प
नामवर सिंह– कहानी : नई कहानी
राजेन्द्र यादव– नई कहानी : संवेदना और स्वरूप
सं0 धनंजय– समकालीन कहानी : दिषा और दृश्टि
मधुरेश– सिलसिला
मार्कण्डेय – कहानी की बात
सं0 देवीशंकर अवस्थी– नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
विजय मोहन सिंह– आज की हिन्दी कहानी
मधुरेश – नयी कहानीः पुनर्विचार
विश्वनाथ त्रिपाठी– कुछ कहानियां, कुछ विचार
डॉ. बलराज पाण्डे– नई कहानी आंदोलन की भूमिका
डॉ. देवेश ठाकुर– हिन्दी की पहली कहानी
मधुरेश – हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश
राम चंद्र– प्रेमचंद की दलित विषयक कहानियांः संवेदना और सरोकार
देवेन्द्र चौबे– समकालीन कहानी का समाजशास्त्र
परमानंद श्रीवास्तव – उपन्यास का पुर्नजन्म
मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास
गोपाल राय– हिन्दी उपन्यास का इतिहास
गोपाल राय– उपन्यास की संरचना
जार्ज लुकाच – इतिहास दृष्ठि और ऐतिहासिक उपन्यास
रॉल्फ फॉक्स – उन्यास और लोक जीवन
पुष्पाल सिंह – भूमण्डलीकरण और उपन्यास
मैनेजर पाण्डेय – उपन्यास और लोकतंत्र
एन. मोहनन – समकालीन हिन्दी उपन्यास
कांति कुमार जैन – जो कहूँ सच कहूँगा

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM05	पाठ्यक्रम	साहित्यशास्त्र
सेमेस्टर–05	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के विकास क्रम में साहित्यशास्त्र की परंपरा और उसके साहित्यिक सरोकार का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई– (01) साहित्यशास्त्र की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा

इकाई– (02) रस की अवधारणा साधारणीकरण, ध्वनि सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त

इकाई– (03) अभिव्यंजनावाद स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद मनोविश्लेषणवाद

इकाई– (04) मार्क्सवाद आधुनिकतावाद, अम्बेडकरवाद, नारीवाद संरचनावाद सौंदर्यशास्त्र

इकाई– (05) कल्पना, बिंब, फैंटेसी, मिथक एवं प्रतीक

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथः

पाश्चात्य काव्यशास्त्र– देवेन्द्रनाथ शर्मा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र– भगीरथ मिश्र
कविता के प्रतिमान– नामवर सिंह
पाश्चात्य साहित्य चिंतन– निर्मला जैन
हिंदी आलोचना के बीज शब्द– बच्चन सिंह
साहित्य की आलोचना– रेनेवेलेक
संरचनावाद–उत्तरसंरचनावाद– गोपीचंद नारंग
भारतीय काव्यशास्त्रः अतीत और वर्तमान– प्रवीण कुमार

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	: UG_HLDSM06	पाठ्यक्रम	समकालीन विमर्श
सेमेस्टर–06	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना और रचनाकार के साहित्य सौन्दर्य का विमर्श के संदर्भ में आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 समकालीन विमर्श की अवधारणा

अस्मिता–अस्तित्व का सवाल, अधिकार और भागीदारी का प्रश्न, पितृसत्ता का सवाल, संपत्ति के अधिकार का सवाल, धर्म, सत्ता, भाषा, जल–जंगल और जमीन का सवाल, सांप्रदायिकता का सवाल, अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का प्रश्न, समतामूलक–समाज एवं राष्ट्र–निर्माण का विजन (फुले–अम्बेडकर, बिरसा–जयपाल सिंह मुंडा, ईश्वर चंद विद्यासागर, नारीवाद एवं अन्य परिवर्तनकामी वैचारिकी के संदर्भ में) भारतीयता

इकाई–2 दलित विमर्श

आत्मकथा : मुर्दहिया– तुलसीराम

कहानी : नो बार, बिट्टन मर गई– जयप्रकाश कर्दम, अपना गांव, कर्ज– मोहनदास नैमिशराय, सिलिया– सुशीला टाकभौरे, गणतंत्र के नायक– अजमेर सिंह काजल

कविता : प्रेमशंकर– अम्बेडकर की मूर्त्ति, हमारा युद्ध; मलखान सिंह– सुनो ब्राह्मण, अंधड; एन. सिंह– सतहसे उठते हुए, आदमी चुनाव और भाषण; रजनी तिलक– औरत औरत में अंतर, वजूद है, तुम्हारी आस्थाओं ने, शिकस्त, बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं

इकाई–3 आदिवासी विमर्श

कहानी : वाल्टर भेंगरा 'तरूण'– श्वेत–श्याम दर्द, रोज केरकेट्टा– लोहार का, केदारप्रसाद मीणा–कामरेड मीणा, रणेन्द्र– सरेन्डर जतरा, शेखर मल्लिक–डायनमारी

कविता : वाहरू सोनवणे– बंदूक की नीत, जिंदा परछाई; ग्रेस कुजुर– कलम को तीर होने दो, हे समय के पहरेदारों

आदिवासी गीतः (बैगा लोकगीत) – गजरत गनमन घटा घोर, तोर हर नाना तोरे हर न, चुरा–मरा, चुरा–मुरा हरदा पिसान रे

नाटकः धरती आबा– हृषिकेश सुलभ

इकाई–4 स्त्री विमर्श

निबंध : मृदुला सिन्हा – मात्र देह नहीं औरत

कविता : राजी सेठ– मैं स्त्री हूं; कात्यायनी– सात भाइयों के बीच चम्पा, सविता सिंह– मैं किसकी औरत हूं, हेमलता महीश्वर– नील नीलेरंग

इकाई– 5 अल्पसंख्यक विमर्श

जयप्रकाश कर्दम–दुक्खप्पत्ता च निददुक्खा, अनिच्चावत संखारा(करुणा उपन्यास का अंश)

कहानीः असगर वजाहज– जख्म, नासिरा शर्मा– सरहद के इस पार, अब्दुल बिस्मिलाह– ग्राम सुधार, कृष्णा सोबतीः मित्रो मरजानी, मधुकंकरिया– सेज पर संस्कृति

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ :

महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)–अनु एवं सं. – डॉ. एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति'

डॉ. अम्बेडकर– संपूर्ण वाड्ग्मय

ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

–मुख्यधारा और दलित साहित्य

–दलित साहित्यः अनुभव, यथार्थ और संघर्ष

शरणकुमार लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

प्रो.टीवी कट्टीमनी– दलित साहित्य का सामाजिक विज्ञान

प्रो. वी कृष्णा– भारतीय कविता कठघरे के बीच

– भारतीय दलित साहित्य

राम चंद्र– दलित साहित्यः आशय, अवधारणा और आंदोलन

प्रवीण कुमार– दलित साहित्य का सौन्दर्यबोधः चिंतन और प्रक्रिया

जयप्रकाश कर्दम– दलित विमर्शः साहित्य के आईने में

– हिन्दुत्व और दलित : कुछ प्रश्न, कुछ विचार

कंवल भारती – दलित विमर्श की भूमिका

– दलित साहित्य की अवधारणा

– दलित कविता का आत्म संघर्ष

डॉ. चंद्र कुमार वरठे– दलित साहित्य आंदोलन

अजय कुमार (सं.) – दलित पैंथर आंदोलन

डॉ. विमल थोरात– मराठी दलित कविता और साठोत्तरी हिन्दी कविता में सामाजिक और राजनीतिक चेतना

– दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर

डॉ. तेजसिंह – आज का दलित साहित्य

चमनलाल (सं.)– दलित और अश्वेत साहित्य : कुछ विचार

पुरूषोत्तम अग्रवाल– संस्कृत : वर्चस्व और प्रतिरोध

डॉ. पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी – दलित साहित्य और सामाजिक न्याय

ईशकुमार गंगनिया– अम्बेडकरवादी साहित्य विमर्श

डॉ. एन सिंह – मेरा दलित चिंतन

– दलित साहित्य के प्रतिमान

श्यौराज सिंह 'बेचैन'– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM07	पाठ्यक्रम	अनुसंधान पद्धति
सेमेस्टर–07	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 04	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई–1 अनुसंधान की अवधारणा

अनुसंधान क्या है? अनुसंधान : स्वरूप एवं विशेषताएं, अनुसंधान और आलोचना

इकाई–2 अनुसंधान प्रविधिः अवधारणा और स्वरूप

अनुसंधान प्रविधिः स्वरूप एवं विशेषताएं, अनुसंधान प्रविधिः आशय और आवश्यकता, हिंदी में अनुसंधान का आरंभ

इकाई–3 अनुसंधान का व्यवहारिक पक्षः

अनुसंधान के क्षेत्र, अनुसंधान के प्रकार, साहित्यिक अनुसंधान की विशेषताएं सामग्री, संकलन–विश्लेषण, शोध विषय का चयन, अनुसंधान और तथ्य विश्लेषण, अनुसंधान और उपसंहार/ निष्कर्ष संदर्भ ग्रंथसूची, अनुक्रमणिक, उद्धरण की विधियाँ

इकाई–4 शोधः पद्धति, समस्याएं और चुनौतियाँ तथा कम्प्यूटर

शोध–संबंधी समस्याएं, शोधार्थी के गुण, अनुसंधान की गुणवत्ता, हिंदी में अनुसंधान की दशा और दिशा, शोध पत्र/ प्रबंध लेखन की मूल अवधारणाएं, अनुसंधान सार लेखन, अनुसंधान लेखन का प्रारूप, शोध लेखन में कम्प्यूटर की भूमिका; डिजिटल फॉर्म में अनुसंधान पत्र लेखन।

इकाई–5 शोध और कम्प्यूटर अनुप्रयोग अनुसंधान में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग, सूची इंजन, पावर, ज्वांइट, तुलनात्मक शोध की समस्याएँ, ग्राफ, मॉडुल बनाना।

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथः

सावित्री सिंहा– अनुसंधान का स्वरूप
डॉ सावित्री सिन्हा : अनुसंधान की प्रक्रिया
विनय मोहन शर्मा : अनुसंधान प्रविधि
डॉ देवराज उपाध्याय : साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान

सं0 अमियदेव–शिशिर : कम्पैरेटिव लिटरेचर : थ्यौरी एण्ड प्रैक्टिस
इन्द्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका
वी. के. गोकाक : दी कंसेप्ट ऑफ इंडियन लिटरेचर
सं0 ए0 पोद्दार : इंडियन लिटरेचर
रेने वेलेक : डिस्क्रिमिनशनस
रेने वेलेक : कंसेप्ट आफ क्रिटिसिज्म
आर. के. धवन (सं0) : कम्पैरिटिव लिटरेचर ऑफ थ्यौरी
नगेन्द्र, (सं0) : तुलनात्मक साहित्य
सं0 न्यूटन पी. स्टालनेख़्त : कम्पैरेटिव लिटरेचर : मेथड एण्ड हॉर्स्ट फ्रेन्ज पर्सपेक्टिव
उलरिख वेइस्तेइन : कम्पैरेटिव लिटरेचर एण्ड लिटरेरी थ्योरी
रेनेवेलक : आलोचना की अवधारणाएँ
बी0 एम0 जैन– रिसर्च मेथेडॉलॉजी
डॉ नगेन्द्र, (सं0) : कम्पैरेटिव लिटरेचर
एस0 एन0 गणेशन : अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया
सं. भ. ह. राजूरकर/ राजमल बोरा हाउस : हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप
डॉ नगेन्द्र : अनुसंधान और सिद्धांत
डा. तिलक सिंह : नवीन अनुसंधान विज्ञान

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLDSM08	पाठ्यक्रम	लघु शोध प्रबंध
सेमेस्टर–08	सैद्धांतिकी प्रायोगिक	क्रेडिट : 20	पूर्णांकः 100

1. शोधार्थी अपने शोध निर्देशक के दिशा –निर्देशन में किसी एक विषय – वस्तु पर लघु शोध प्रबंध जमा करेगा।
2. लघु शोध प्रबंध – कम से कम 75 पृष्ठ का होगा।
3. लघु शोध प्रबंध का लेखन यूजीसी के मानक ईकाई के अनुरूप ही स्वीकृत होगा।
4. लघुशोध प्रबंध की मूल्यांकन पद्धति

   (क) लघु शोध प्रबंध – अंक – 60

   (ख) लघु शोध प्रबंध (प्रस्तुति एवं मौखिकी) – 40
5. लधु शोध प्रबंध का मूल्यांकन की मौखिकी में एक बाह्य विशेषज्ञ (जो विश्वविद्यालय या उसके बाहर से किसी भी अंतर्विधावती अनुशासन से सम्बद्ध हो सकता है) का होना अनिवार्य है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$01	पाठ्यक्रम	कार्यालयी हिन्दी
सेमेस्टर–01		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा।

इकाई– (2)

शिक्षण माध्यम–भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा।

इकाई– (3)

राजभाषा का स्वरूप, भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान।

इकाई– (4)

टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण/आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण।

इकाई– (5)

विभिन्न प्रकार के पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रिया।

पारिभाषिक शब्दावली।

सहायक ग्रंथः

प्रयोजनमूलक हिंदी– माधव राव सोनटक्के
प्रयोजनमूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
प्रयोजनमूलक हिंदी– विनोद गोदरे
प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी– कृष्णकुमार गोस्वामी
कम्प्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंड एप्लीकेशंस– कीथ कैमेरॉन
भाषा शिक्षण– रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य– जबरीमल्ल पारख

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$02	पाठ्यक्रम	लोक साहित्य
सेमेस्टर–01		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

लोक साहित्य– परिभाषा एवं स्वरूप, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक संस्कृति–अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

लोक साहित्य के प्रमुख रूप– लोक गीत, लोक नाट्य लोक कथा, लोकगाथा, लोकोक्ति

इकाई– (2)

लोकगीत एवं – संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम–परिहार गीत, ऋतुगीत।

लोककथा– व्रत्तकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय

इकाई– (3)

लोकनाट्य– रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

इकाई– (4)

लोकगाथा– लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति।

इकाई– (5)

प्रसिद्ध लोकगाथाएँ– ढोला–मारू, गोपीचन्द– भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीरा–राँझा, सोहनी–महीवाल।

सहायक ग्रंथः

हिंदी प्रदेश के लोकगीत– कृष्णदेव उपाध्याय
हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास– पं. राहुल सांकृत्यायन सोलहवां भाग
भारतीय लोकसाहित्यः परंपरा और परिदृश्य– विद्या सिंहा

कविता कौमुदी– ग्रामगीत– रामनरेश त्रिपाठी
लोकसंस्कृतिकी भूमिका– कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य– श्याम परमार
लोकसाहित्य का अध्ययन– त्रिलोचन पांडेय
लोकसाहित्य और लोकस्वर– विद्यानिवास मिश्र
आदिवासी लोकगीत– भंवरलाल मीणा
लोकगीतों में दलित चेतना– माताप्रसाद
बैगालोकगीत– अर्जुन सिंह धुर्वे

पत्रिकाः
मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका– चौमासा
समसमायिक सृजन का लोकविशेषांक

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$03	पाठ्यक्रम	भाषा शिक्षण
सेमेस्टर–02		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

- हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम।
- प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक-बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण।

इकाई– (02)

- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों- विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।

इकाई– (03)

- देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता,कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता।
- हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण |

इकाई– (04)

- हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई– (05)

- हिन्दी भाषा का भविष्य ।

सहायक ग्रंथ –

1– भाषा और प्रोद्योगिकी : डॉ. विनोद कुमार प्रसाद

2– भाषा लोक : डॉ. मुकेश अग्रवाल

3– राजेन्द्र प्रसाद : अस्मिता मूलक भाषा विज्ञान

4– रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव : भाषा शिक्षण

5–अद्यतन भाषा विज्ञान : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$04	पाठ्यक्रम	आधुनिक भारतीय साहित्य
सेमेस्टर–02		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई–1 भारतीय साहित्य की अवधारणा

भारतीय साहित्य की परंपरा

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

इकाई–2

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

इकाई–3

- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

इकाई–4

महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

इकाई–4

(उपन्यास) - आनंद मठ दृ बंकिम चंद्र

मृत्युंजय दृ शिवाजी सावंत आवरण

- भैरप्पा सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ

सहायक ग्रंथ–

तुलनात्मक साहित्य – इन्द्रनाथ मदान

तुलनात्मक साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र

साहित्य सिद्धांत ;जीमवतल व िस्पजमतंजनतद्ध ऑस्टिन वॉरेन

भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

आज का भारतीय साहित्य : डॉ. प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादमी

चयनभ् सं. अरूण प्रकाश, साहित्य अकादमी

भारतीय साहित्य : लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, राजकमल प्रकाषन

भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाषन

भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचंद गौतम

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$05	पाठ्यक्रम	सम्भाषण कला
सेमेस्टर–03		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

- संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वादविवाद, एकलाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन ।
- जन सम्पर्क में वाक कला की उपयोगिता

इकाई– (02)

- संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण , सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

इकाई– (03)

- संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग) वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी.वी.) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

इकाई– (04)

- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान। =

इकाई– (05)

- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद ।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदनाकी विवेचना।

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$06	पाठ्यक्रम	आदिवासी साहित्य
सेमेस्टर–03		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इस पाठ्यक्रम में इन बिन्दुओं आदिवासी का आशय, आदिवासी की अवधारणा, आदिवासी समाज का संघर्ष, आदिवासी समाज की सांस्कृतिक वैशिष्ट्य और उसका बदलता स्वरूप, समकालीन आदिवासी प्रश्न, आदिवासी दर्शन, भारतीय समाज और आदिवासी समाज, आदिवासी अस्मिता व अस्तित्व का सवाल, आदिवासी समाज के विकास की समस्याएंः चुनौतियां एवं संभावनाएं का अध्ययन अपेक्षित है। इसके आलोक में निम्न पाठ्य का अध्ययन किया जाना चाहिए।

इकाई–1 आदिवासी कविताः

निर्मला पुतुल– उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, ये वे लोग हैं जो

ग्रेस कुजुर– हे समय के पहरेदारों, कलम को तीर होने दो

इकाई–2 आदिवासी कहानी :

कहानी– रामदयाल मुंडा– बिरं का नया खेल, रूपलाल बेदिया– धर्म के चौराहे पर इंसान

वाल्टर भेंगरा 'तरूण – निर्णय

इकाई – 3 आदिवासी उपन्यास

जंगल के गीत– पीटर पॉल एक्का

इकाई–3 आदिवासी लोकगीतः

अर्जुनसिंह धुर्वे द्वारा संकलित बैगा गीत – वर्षा गीत, है रे करमा सौता के जरन बैरी खेलि मरना, देख सांवर मोरे विपत रे धन करम धन जिया रे

सहायक ग्रंथः

रामदयाल मुंडा– आदिधरम
– आदिवासी अस्तित्व और झारखंडी अस्मिता के सवाल
श्यामाचरणदुबे– मानव और संस्कृति
वीरभारत तलवार– झारखंड के आदिवासियों के बीच
शैलेन्द्र महतो– झारखंड की समरगाथा
कुमार सुरेश सिंह– बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन
नदीम हसनैन– जनजातीय भारत
केदारप्रसाद मीणा – क्रांतिकारी आदिवासी –आजादी के लिए आदिवासियों का संघर्ष
–आदिवासी समाज, साहित्य और राजनीति
गया पांडे– भारतीय जनजातीय संस्कृति
रमणिका गुप्ता– आदिवासी स्वर और नई शताब्दी
लाला जगदलपुरी– बस्तर इतिहास एवं संस्कृति
ब्रह्मदेव शर्मा– आदिवासी स्वशासन
–आदिवासी विकास
अमर्त्य सेन– आर्थिक विकास और स्वातंत्र्य
जसप्रीत बाजवा– आदिवासी स्वर
विनोद कुमार– आदिवासी संघर्ष गाथा
एल पी विद्यार्थी, बीके राम बर्मन– दि ट्राइबल कल्चर ऑफ इंडिया
एस सी राय– दि मुंडाज एंड देयर कंट्री
के एस सिंह– द शिड्यूल्ड ट्राइब्स
रमेशचंद्र मीणा– आदिवासी विमर्श
रमणिक गुप्ता– आदिवासी विकास से विस्थापन
आदिवासी अस्मिता की पड़ताल करते
वंदना टेटे– आदिवासी साहित्यः पंरपरा और प्रयोजन
अनुज लुगुन– आदिवासी अस्मिता–प्रभुत्व और प्रतिरोध
रसाल सिंह, बन्ना राम मीणा– आदिवासी अस्मिता वाया कथा साहित्य
प्रो. श्रवण कुमार मीणा– आदिवासी कहानी विविध संदर्भ
– समकालीन विमर्श बदलते परिदृश्य

पत्रिका–
युद्धरत आम आदमी का आदिवासी विशेषांक
वाङ्गमय– आदिवासी विशेषांक
अरावली उद्घोष
आदिवासी विमर्श

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$07	पाठ्यक्रम	भाषा कम्प्यूटिंग
सेमेस्टर–04		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

- कम्प्यूटर प्रबंधन-हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लीकेशन पैकेज, वेबसाइट, ई-मेल, वेब सर्किंग।
- कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण ।

इकाई– (02)

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.डी.,मोबाइल और किंडल, मैग्जीन का निर्माण ।
- रेडियो और टेलीविजन के कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम ।

इकाई– (03)

- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली।
- कम्प्यूटर मुद्रण।

इकाई– (04)

- सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप ।
- संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली।
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ ।

इकाई– (05)

- कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग ।
- कम्प्यूटर अनुवाद ।

सहायक ग्रंथ

भाषा और प्रद्योगिकी : डॉ विनोद कुमार प्रसाद

कम्प्यूटर एसिस्टेंट लैंग्वेज लर्निन, मीडिया डिजाइन एंड एप्लिकेशन : कीप कैमेरान

कम्प्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$08	पाठ्यक्रम	दलित साहित्य
सेमेस्टर–04		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के क्रम में इन बिन्दुओं का दलित का आशय, दलित साहित्य आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि : मराठी दलित आंदोलन, हिन्दी दलित आंदोलन, वर्ण–जाति विरोधी अन्य आंदोलन, दलित साहित्य की सैद्धांतिकी : फुले–अम्बेडकरवाद, बौद्ध धम्म एवं दर्शन, अस्मितावाद और दलित सौंदर्यशास्त्र, दलित स्त्री प्रश्न और हिन्दी दलित आलोचना का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 आत्मकथा :

दोहरा अभिशाप– कौसल्या बैसंत्री

इकाई–2 कविताएँ :

एन.सिंह : सतह से उठते हुए, चक्रव्यूह
कंवल भारती : तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती, शम्बूक
डॉ. सी. बी. भारती : घृणा, जोंक, तितली
असंग घोष : धर्म ! तुम्हें तिलांजली देता हूं, चाहता हूं
रजनी तिलक : औरत औरत में अंतर है, बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं

इकाई–3 कहानियाँ :

ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम, जिनावर
मोहनदास नैमिशराय : महाशूद्र
कावेरी : सुमंगली
रत्नकुमार सांभरिया : खेत
विपीन बिहारी : कांच

इकाई–4 उपन्यास :

छप्पर – जयप्रकाश कर्दम

सहायक ग्रंथ :

महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1, 2)	:	(अनु. एवं सं.)डा. एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संशोधित संस्करण 1996
डॉ. अम्बेडकर	:	संपूर्ण वाङ्गमय, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, 1993
	:	बुद्ध और उनका धम्म, सिद्धार्थ बुक्स, दिल्ली, 2007
कांशीराम	:	चमचा युग (अनु.एस. एस. गौतम), सिद्धांर्थ बुक्स, दिल्ली, 2007
रामशरण शर्मा	:	शूद्रों का प्राचीन इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
मधुलिमये	:	अम्बेडकर एक चिंतन (अनु. मस्तराम कपूर) पटेल एजुकेशन सोसायटी, नई दिल्ली, 1999
सुखदेव थोरात	:	भारत में दलित, सेज भाषा पब्लिकेशंस, 2016
सुखदेव थोरात, निधि सदाना सभरवाल	:	दलित सशक्तिकरण, सेज भाषा पब्लिकेशंस, 2019
डा. विवेक कुमार	:	दलित समाज: पुरानी समस्याएँ नई आकांक्षाएं (एक समाजशास्त्रीय अवलोकन), सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
गेल ओमवेट	:	दलित और प्रजातांत्रिक क्रांति, सेज पब्लिकेशंस, इण्डिया प्राइवेट, दिल्ली, 2015
	:	दलित दृष्टि, (अनु.रमणिका गुप्ता एवं अकील कैस), वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011
भगवान दास	:	डॉ. अम्बेडकर के भाषण(शृंखला-1),गौतम बुक सेंटर, दिल्ली, 2010
डा भदन्त आनन्द कौसल्यायन	:	यदि बाबा न होते?, बुद्धभूमि प्रकाशन, नागपुर, 1969
ओमप्रकाश वाल्मीकि	:	दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
	:	मुख्यधारा और दलित साहित्य, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
	:	दलित साहित्यः अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
मोहनदास नैमिशराय	:	हिन्दी दलित साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2011
शरण कुमार लिंबाले	:	दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2005
कंवल भारती	:	दलित विमर्श की भूमिका, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
	:	दलित साहित्य की अवधारणा, बोधिसत्व प्रकाशन, (उ.प्र.), 2006
	:	दलित कविता का संघर्ष, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2012
डा. चंद्र कुमार वरठे	:	दलित साहित्य आंदोलन, रचना प्रकाशन, जयपुर, 1997
के.एल. चंचरीक, धीर सिंह	:	भारतीय दलित आंदोलन की रूपरेखा, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, दिल्ली
डा. विमल थोरात	:	मराठी दलित कविता और साठोत्तरी हिन्दी कविता में सामाजिक और राजनीतिक चेतना, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली, 1996
	:	दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
प्रो. टी. वी. कट्टीमनी	:	दलित साहित्य का समाजविज्ञान, न्यू पब्लिकेशन, दिल्ली, 2013
डा. तेजसिंह	:	आज का दलित साहित्य, अतिश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
पुरुषोत्तम अग्रवाल	:	संस्कृति: वर्चस्व और प्रतिरोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995
डा. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी	:	दलित साहित्य और सामाजिक न्याय, कंचन प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली, 1996
जयप्रकाश कर्दम	:	दलित विमर्शः साहित्य के आईने में, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, 2006
	:	इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन), पंकज पुस्तक मंदिर, दिल्ली, 2007
ईशकुमार गंगनिया	:	अम्बेडकरवादी साहित्य विमर्श, किताबघर, नई दिल्ली, 2007
डा. एन सिंह	:	दलित साहित्य के प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
देवेन्द्र चैबे	:	आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंटल ब्लैकस्वान, नई दिल्ली
राम चन्द्र	:	दलित साहित्यः आशय, आंदोलन और अवधारणा, आखर प्रकाशन, दिल्ली, 2012
	:	प्रेमचंद की दलित विषयक कहानियां: संवेदना और सरोकार, आखर प्रकाशन, दिल्ली, 2013
राम चन्द्र, प्रवीण कुमार(सं.)	:	दलित चेतना की कविताएं (शृंखला -1), स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2014
	:	दलित चेतना की कहानियां (शृंखला-1), ईशा ज्ञानदीप, दिल्ली, 2016
रजतरानी मीनू	:	नवें दशक की हिन्दी दलित कविता, दलित साहित्य प्रकाशन संस्था, नई दिल्ली, 1996
	:	हिंदी दलित कथा-साहित्यः अवधारणाएं और विधाएं, अनामिका पब्लिशर्स एंव डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, 2014
रमणिका गुप्ता	:	स्त्री नैतिकता का तालीबानीकरण, शिल्पायन, 2008
प्रवीण कुमार	:	दलित साहित्य का सौन्दर्यबोधः चिंतन और प्रक्रिया, आखर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
	:	सौन्दर्यशास्त्र और दलित दृष्टि, आखर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
सुभाष चन्द्र	:	दलित आत्मकथाएँ: अनुभव से चिंतन, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 2006
बी आर विप्लवी	:	दलित दर्शन की वैचारिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
नितीन गायकवाड	:	यथास्थिति से विद्रोहः हिंदी दलित कहानी, ईशा ज्ञानदीप, दिल्ली, 2016

	:	दलित साहित्य मानवीय अधिकारों का महायुद्ध, ईशा ज्ञानदीप, दिल्ली, 2016
ब्रह्मानंद	:	दलित कविता का मूल्यांकन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2019
	:	दलित आलोचना, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2020
	:	दलित आत्मकथाएँ यथास्थिति से विद्रोह, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2020
हरपाल सिंह 'अरूष'	:	दलित साहित्य की भूमिका, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005
राजकिशोर	:	हरिजन से दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994
एस.एम. माइकल	:	आधुनिक भारत में दलित(अनुवाद-विजय कुमार पन्त), रावत पब्लिकेशन, दिल्ली, 2015
रमणिका गुप्ता, वी कृष्णा	:	तेलगु साहित्य में दलित दस्तक, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 2001
चमन लाल	:	दलित और अश्वेत साहित्य: कुछ विचार इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, शिमला, 2000
श्यौराज सिंह 'बेचैन', देवेन्द्र चैबे	:	चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 2000-01
देवेन्द्र चैबे, विष्णु सरवदे	:	शिकंजे का दर्द, शिल्पायन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, 2016
देवेन्द्र चैबे	:	साहित्य का नया सौन्दर्यशास्त्र, किताबघर, दिल्ली, 2006
राम चन्द्र	:	दलित साहित्य की विकास-यात्रा, साहित्य संस्थान,गाज़ियाबाद, 2013
राम चन्द्र, प्रवीण कुमार	:	हिन्दी दलित आत्मकथाएं: स्वानुभूति एवं सर्जना का परिप्रेक्ष्य (भाग- 1, 2), एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली
	:	दलित चेतना की कविताएं (शृंखला -1), स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2014
	:	दलित चेतना की कहानियां (शृंखला-1), ईशा ज्ञानदीप, दिल्ली, 2016
रमणिका गुप्ता	:	दलित चेतना और सोच, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 1998
अभय कुमार दुबे	:	आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
शिवबाबू मिश्र	:	जूठन एक विमर्श, शब्द सृष्टि, दिल्ली, 2006
नितीन गायकवाड, प्रवीण कुमार	:	दलित जीवन: संघर्ष और स्वप्न, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2012
सर्वेश कुमार मौर्य	:	हिन्दी दलित नाटक की आलोचना, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2015
	:	दलित नाटक की सैद्धांतिकी, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
मंजू सुमन/ज्ञानेन्द्र रावत	:	दलित नारीः एक विमर्श, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, 2004
नामदेव	:	आलोचना की तीसरी परम्परा और जयप्रकाश कर्दम, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2014
बजरंग बिहारी तिवारी	:	भारतीय, दलित साहित्य आंदोलन और चिंतन, शब्दारंभ, दिल्ली, 2015
राजेश कुमार पासवान	:	जब तक जाति न जात, विक्टोरियस पब्लिसर्ज़(इंडिया), दिल्ली, 2017
नामदेव, नीलम	:	छप्पर की दुनियाः मूल्यांकन और अवदान, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली, 2020
कर्मानंद आर्या, रविता कुमारी	:	मलखान सिंह की कविताः संवेदना और शिल्प, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई, 2020

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$09	पाठ्यक्रम	रंग आलेख और रंगमंच
सेमेस्टर–05		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई– (01)

- नाटक के प्रमुख प्रकार और उनका रचना विधान -

पूर्णांकी, एकांकी, लोकनाटक, प्रहसन, काव्यनाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीकनाटक, भावनाटक, पाठ्यनाटक, रेडियोनाटक, टीवी नाटक।

- हिन्दी नाट्यशास्त्र और नाट्यलेखन का इतिहास हिन्दी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, समस्यामूलक तथा एबसर्ड नाटक।

इकाई– (02)

- हिन्दी के प्रमुख नाटक और नाटककार |
- हिन्दी रंगमंच के प्रमुख रूप -1.शौकिया मंच 2. व्यावसायिक मंच 3. सरकारी मंच ।

इकाई– (03)

- हिन्दी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंगशालाएं तथा संस्थाएं।
- रंग शिल्प प्रशिक्षण, रंग स्थापत्य, रंग सज्जा, रंग दीपन, ध्वनि व्यवस्था एवं प्रसाधन, निर्देशन एवं अभिनय। रंगमंचीय भाषा की विशेषताएं।

इकाई– (04)

- रंग आलेख की प्रविधि – वस्तुविधान, पात्र परिकल्पना, परिस्थिति योजना, संवाद लेखन का वैशिष्ट्य, रंग निर्देशों की उपयोगिता।

इकाई– (05)

- रंग समीक्षा का महत्त्व ।

सहायक ग्रंथ–

सत्येन्द्र तनेजा –नाटकार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना, दिल्ली,1976
जगदीश शर्मा –मोहन राकेश की रंगसृष्टि, दिल्ली, 1975
गोविन्द चातक –आधुनिक नाटक का मसीहा, दिल्ली, 1975
नेमिचन्द्र जैन (सं.)–आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, दिल्ली, 1978
जयदेव तनेजा –समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच, दिल्ली, 1978
नेमिचन्द्र जैन –रंगदर्शन, दिल्ली, 1967
दशरथ ओझा –हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, दिल्ली, 1970
हजारी प्रसाद द्विवेदी –नाट्यशास्त्र और भारतीय परम्परा, नई दिल्ली, 1971
बच्चन सिंह – हिन्दी नाटक
गिरीश रस्तोगी – हिन्दी नाटक और रंगमंच

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$10	पाठ्यक्रम	स्त्री साहित्य
सेमेस्टर–05		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई–1 स्त्री विमर्श : आशय और अवधारणा

स्त्री मुक्ति आंदोलन – ऐतिहासिक रूपरेखा

इकाई–2 स्त्री विमर्श की हिंदी कविता

कात्यायनी – सात भाईयों के बीच चम्पा
निर्मला पुतुल – मैं वो नहीं जो तुम समझते हो
सविता सिंह – मैं किसकी औरत हूँ
गगन गिल, – एक दिन लौटेगी लड़की

इकाई–3 स्त्री विमर्श की हिंदी कहानी

कृष्णा सोबती – अजादी सम्मोजान

नासिरा शर्मा – नई हुकुमत

सुशीला टाकभौरे – सिलिया

मतता कालिया – लड़कियाँ

इकाई–4 स्त्री विमर्श का हिंदी उपन्यास

कठगुलाब – मृदुला गर्ग

इकाई–5 स्त्री विमर्श का वैचारिक लेखन

1– युद्ध और नारी (शृंखला की कड़ियाँ)–महादेवी वर्मा

2– सुहाग मेले में स्त्री (खुली खिड़कियाँ)– मैत्रेयी पुष्पा

सहायक ग्रंथ :

प्रभा खेतान – बाजार के बीच बाजार के खिलाफ : भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न
– भूमंडलीकरण : ब्रांड संस्कृत और राष्ट्र

– उपनिवेष में स्त्री : मुक्तिकामना की दस वार्ताएं

सीमोन द बोउवार– स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान), हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली–2002।

महादेवी वर्मा – श्रृंखला की कड़ियां

डॉ. राधा कुमार (अनु. रमाशंकर) – स्त्री संघर्ष का इतिहास

जे.एस.मिल (अनु रमाशंकर)– स्त्री पराधीनता

अनामिका– स्त्रीत्व का मानचित्र

रमणिका गुप्ता– स्त्री विमर्श

राजकिशोर (सं)– स्त्री के लिए जगह

राजेन्द्र यादव– आदमी की निगाह में औरत

अरविन्द जैन– औरत होना की सजा

क्षमा शर्मा– स्त्री का समय

जगदीश्वर चतुर्वेदी– स्त्रीवादी साहित्य विमर्श

जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह (सं.एवं संपा.)– स्त्री काव्यधारा

रेखा कास्तवार– स्त्री चिंतन की चुनौतियां

विमल थोरात– दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर

गोपा जोशी– भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श

राजेन्द्र यादव, अर्चना वर्मा (सं.) – अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य

कात्यायनी– दुर्ग द्वार पर दस्तक

पंडिता रमाबाई – हिन्दू स्त्री का जीवन

संजय गर्ग– स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास

सं.निवेदिता मेनन,जिनी लोकनिता : नारीवादी राजनीतिः संघर्ष एवं मुद्दे,
हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
राकेश कुमार : नारीवादी विमर्श, आधार प्रकाशन, पंचकूला हरियाणा
देवेन्द्र इस्सर : स्त्री मुक्ति के प्रश्न, संवाद प्रकाशन, मेरठ

सुबोध शुक्ल : गूंगे इतिहास की सरहदों पर, आधार प्रकाशन, पंचकुला हरियाणा
प्रभाखेतान : बाजार के बीच; बाजार के खिलाफः भूमण्डलीकरण और स्त्री प्रश्न, वाणी प्रकाशन
: भूमण्डलीकरण,व्राण्ड संस्कृत और राष्ट्र, वाणी प्रकाशन

सीमोन द बोउवार– स्त्री उपेक्षित, हिन्द पाकेट बुक्स
महादेवी वर्मा– श्रंखला की कडियाँ
रेखा कस्तवार– स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ
गोपा जोशी– भारत में स्त्री असमानता
राजेन्द्र यादव– आदमी के निगाह में औरत
पं. रामबाई– हिन्दू स्त्री का जीवन
ताराबाई सिंदे– स्त्री पुरुष तुलना
जे. एस. मिल.– स्त्री और पराधीन
मेरी बोल्स्टनक्राफ्ट–स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन
जमैनग्रीर– बधिया स्त्री
सुमनराजे– इतिहास में स्त्री
गीताश्री– औरत की बोली
मैत्रीय पुष्प– चर्चा हमारा
वीरभारत तलवार– रस्साकशी
उमा चक्रवर्ती– जाति, समाज में पिहसत्ता
श्रीकांत यादव– स्त्री अलक्षित, लोकभारती प्रकाशन
चारू गुप्ता – स्त्रीत्व से हिन्दुत्व तक, राजकमल प्रकाशन
गगनगिल– अंधेरे में वुद्ध, राजकमल प्रकाशन
ललसा यादव : अलक्षित आख्यान, लोक भारती प्रकाशन
सं. धर्मवीर : सीमतंत्री उपदेश

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$11	पाठ्यक्रम	प्रयोजनमूलक हिन्दी
सेमेस्टर–06		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

इकाई–01 प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा और स्वरूप

(क) व्यवहार क्षेत्र– कार्यालयी हिंदी, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, अध्यादेश, विज्ञप्ति, परिपत्र, निविदा, अनुस्मारक, कार्यालयी पत्र लेखन

(ख) राजभाषा का संवैधानिक स्वरूप/प्रावधान, राजभाषा–राष्ट्रभाषा की संकल्पना, संपर्कभाषा

इकाई–02

हिन्दी शब्द सम्पदा एवं हिंदी का मानकीकरण– वैज्ञानिक, तकनीकी एवं पारिभाषिक शब्दावली

हिन्दी के विकास के प्रयत्न और अनुवाद की भूमिका

इकाई–03

जनसंचार माध्यम और हिंदी– पत्रकारिता, मीडिया लेखन–श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज पटकथा लेखन, विज्ञापन की भाषा, सूचना क्रांति के युग में हिंदी

इकाई–04

हिंदी कम्प्यूटिंग– कम्प्यूटर परिचय, इंटरनेट सम्बन्धी उपकरणों का परिचय, लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना तथा प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी के साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई–05

अंग्रेजी की प्रशासनिक अभिव्यक्तियां, अंग्रेजी के मुहावरे लोकोक्तियों का प्रतिरूप, अंग्रेजी शब्दोंके प्रतिरूप, हिन्दी अनुवाद

सहायक ग्रंथः

दंगल झाल्टे–प्रयोजनमूलक हिंदी , सिद्धांत और प्रयोग
अर्जुन तिवारी– जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता
विनोद दोगरे– प्रयोजनमूलक हिंदी
महेंद्र मिततल–व्यवहारिक हिंदी
किशोरी दास वाजपेयी– हिंदी शब्दानुशासन
कामता प्रसाद गुरु– हिंदी व्याकरण
डा. सूर्यप्रसाद दीक्षित– प्रयोजनी हिन्दी
–जन पत्रकारिकता, जनसंचार एवं जनसंपर्क
डा. सुमित मोहन– मीडिया लेखन
डा. हरीमोहन– कम्पयूटर और हिन्दी

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLM$_2$12	पाठ्यक्रम	कला साहित्य और हाशिए का समाज
सेमेस्टर–06		क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 50

हाशिए का समाज की अवधारणा पर चर्चा करते हुए निम्नलिखित संदर्भों का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1

चयनित उपन्यास – लौटे हुए मुसाफिर – कमलेश्वर,
फिल्म पिंजर

इकाई–2

कहानी –पिता – ज्ञानरंजन
ई मुर्दन का गाँव – कुसुम अंसल
सिकन्दर – ममता कालिया
भूख – चित्रा मुद्गल

इकाई–3 कविता

कुरूज – मदन कश्यप
फादर शलप्पा – चन्द्रकांत देवताले
गोबर पाथती बुढ़िया – अनिल सिंह
मैं इस वक्त होना चाहता हूँ दलाई लामा के साथ – चन्द्रेश्वर

इकाई–4 नाटक एवं एकांकी

मिस लल्लन – डॉ. रमा
व्हील चेयर (एकांकी) – सुशीला टाकभौरे

इकाई–5 फिल्म

डैडी
पिंजर
बागवान
शुभ मंगल सावधान/बधाई दो
'बम्बई में का बा'

सहायक ग्रंथः

मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी – लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

पुरूष तन में फंसा मेरा नारी मन– मानोबी बंद्योपाध्याय मरदसा रोड, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली

थर्ड जेन्डरः कथा आलोचना–डॉ. एम. फीरोज खान

किन्नर कथा – महेन्द्र भीष्म

मैं पायल – महेन्द्र भीष्म

दरमियाना – सुभाष अखिल

थर्ड जेण्डर आत्मकथा और जीवन संघर्ष– सं. डॉ. एम. फिरोज खान

पोष्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल

भारत में राष्ट्रवाद और संप्रदायिक पृष्ठभूमि – मुसेरूल हसन

भारत का स्वतंत्रता संघर्ष – विपिन चन्द्र

संप्रदायिकता का जहर – संपादक रणजीत

भारत का विभाजन – अनीता इंदर

आधुनिक भारत में संप्रदायिकता – विपिन चन्द्र

बारह बजे रात के – लैरी कॉलिनस डोमिन लॉपियर

भारत विभाजन और हिन्दी उपन्यास – हरियस

देश विभाजन और हिन्दी कथा साहित्य – सूर्यनारायण रणसूभे

उपन्यास और वर्चश्व की सत्ता – वीरेन्द्र यादव

स्त्रीत्व से हिन्दुत्व तक – चारू गुप्ता

वृद्धावस्था विमर्श और हिन्दी कहानी – डॉ. शिव कुमार राजौरिया

हिन्दी साहित्य बाल, युवा, वृद्ध तथा अन्य विमर्श

वृद्ध महिलाओं का सामाज शास्त्र – डॉ. कुमुद सिंह

भारत में वृद्धों की समस्याएँ – कमलेश भारद्वाज, सुभाष चन्द्र गुप्त

सिनेमा : कल, आज, कल– विनोद भारद्वाज
हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष–प्रकाशन विभाग
हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना– प्रहलाद अग्रवाल
सिनेमा का जादुई सफर– प्रताप सिंह
नौशाद : ज़र्रा जो आफताब बना– ज़िया इमाम
सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर से बातचीत– नसरीन मुन्नी कबीर
गुरूदत्त–विमल मित्र
सत्यजीत रे–महेन्द्र मिश्र
कैमरा मेरी तीसरी आंख – राधू कर्माकर
धुनों की यात्रा –पंकज राग

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLV01	पाठ्यक्रम	चलचित्र लेखन
सेमेस्टर–01	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	

इकाई– (01)

(I) भारतीय सिनेमा का इतिहास।

(II) हिन्दी की आरंभिक मूक और सवाक् फिल्में।

इकाई– (2)

(I) विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिन्दी फिल्में, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद।

(II) फिल्म निर्माण की प्रक्रिया

इकाई– (3)

(I) हिन्दी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन–प्रणाली या प्रविधि।

(II) रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना।

इकाई– (4)

(I) वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर।

(II) हिन्दी में निर्मित विज्ञानपन फिल्में (एड्–फिल्में)।

इकाई– (5)

(I) प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता।

(II) हिन्दी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका।

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ :

फिल्मनिर्देशन : कुलदीप सिन्हा
हिन्दी सिनेमा का इतिहास–मनमोहन चड्ढा
नया सिनेमा–ब्रजेश्वर मदान
भारतीय सिने सिद्धान्त–अनुपम ओझा
सिनेमा : कल, आज, कल– विनोद भारद्वाज
हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष–प्रकाशन विभाग
हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना– प्रहलाद अग्रवाल
सिनेमा का जादुई सफर– प्रताप सिंह
नौशाद : ज़र्रा जो आफताब बना– ज़िया इमाम
सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर से बातचीत– नसरीन मुन्नी कबीर
गुरूदत्त–विमल मित्र
सत्यजीत रे–महेन्द्र मिश्र
कैमरा मेरी तीसरी आंख – राधू कर्माकर
धुनों की यात्रा –पंकज राग
सिनेमा एक सफरनामा– डॉ. एस. आर. जयश्री
दलित–आदिवासी सिनेमा– डॉ. प्रमोद कुमार मीणा

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLV02	पाठ्यक्रम	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
सेमेस्टर–02	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	

इकाई–1 सर्जनात्मक लेखनः अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव, विचार का रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

अभिव्यिक्ति के विविध क्षेत्रः साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य की विधागत रचनाएं, जनभाषण

सर्जना के विविध रूपः मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

इकाई–2 सर्जनात्मक लेखनः भाषा एवं रचना–कौशल का विश्लेषण

शब्दार्थ मीमांसा, औपचारिक–अनौपचारिक, मैखिक–लिखित, मानक, शब्द शक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण

इकाई–3 साहित्य की विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन

कविताः संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

कथासाहित्यः वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

इकाई–4 सूचनातंत्र के लिए लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर– लेखन, यात्रा–वृतांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म

इकाईः 5 पटकथा एवं संवाद लेखन :अवधारणा और स्वरूप

फीचर फिल्म, टीवी धारावाहिक, कहानी एवं डॉक्यूमेंट्री

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा। जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथः

साहित्य चिंतनः रचनात्मक आयाम– रघुवंश
शैली– रामचंद्र मिश्र
सृजनशीलता और सौन्दर्यबोध–निशा अग्रवाल
साहित्य का सौन्दर्यचिंतन– रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
कविता –रचना– प्रक्रिया– कुमार विमल
समकालीन कविता में छंद– अज्ञेय
एक कवि की नोटबुक– राजेश जोशी
हिंदी साहित्य का छंद विवेचन– गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
उपन्यास की संरचना– गोपाल राय
उपन्यास सृजन की समस्याएं– शमशेरसिंह नरूला
हिंदी कहानी का शैली विज्ञान– बैकुंठनाथ ठाकुर
रेडियो लेखन– मधुकर गंगाधर
सर्जक का मन– नंदकिशोर आचार्य
राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन– एच.आर.एफ कीटिंग
टेलीविजन लेखन– असगर वजाहत, प्रभात रंजन
कथा–पटकथा– मन्नू भंडारी
फीचर लेखन– मनोहर प्रभाकर
पटकथा लेखन– मनोहर श्याम जोशी

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLV03	पाठ्यक्रम	अनुवाद
सेमेस्टर–03	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	

इकाई– (01)

अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार - भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य – वैषम्य । अनुवाद के प्रमुख प्रकार-कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।

इकाई– (02)

- अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), ___ भावानुवाद/छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद ।

इकाई– (03)

- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप-काव्यानुवाद, कथानुवाद,नाट्यानुवाद।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/ लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद ।
- विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी की
- अनुवाद में पर्यवेक्षण (वेटिंग) की भूमिका ।

इकाई– (04)

- अनुवाद की सम्पादन प्रविधि ।
- अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण ।

प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किये गये अनुवाद |

इकाई– (05)

- भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र, अनुवाद के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता।
- हिन्दी अनुवाद का भविष्य ।

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ :

अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग– नगेन्द्र
अनुवाद के सिद्धांत– रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)– हेमचंद्र पांडे
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद– सुरेश सिंहल
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण– विमलेश कांति वर्मा
अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग –प्रो. जो. गोपीनाथ लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद कल : सिद्धांत एवं प्रयोग – कैलाशचन्द्र माहिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली
अनुवाद सिद्धांत एवं समस्याएं एवं समस्याएं–रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी आलेख प्रकाशन दिल्ली
अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा– सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद विज्ञान की भूमिका– कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य– रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र)484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLV04	पाठ्यक्रम	सम्पादन प्रक्रिया और साज सज्जा
सेमेस्टर–04	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100
	प्रायोगिक	क्रेडिट : 02	

इकाई–1 संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ,

समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धान्त । • संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व ।

इकाई–2 समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका । प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

इकाई–3 संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। संपादकीय का समाजिक प्रभाव। समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन । साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र,

इकाई–4 कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन। • हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा,

आंचलिक प्रभाव और ___वर्तनी की समस्याएँ।

इकाई–5 साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त । मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका की साज-सज्जा, रंग-संयोजन ।

प्रायोगिक :

दिए गये पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य सम्पादित किया जायेगा जिसे अधिन्यास (असाइन्मेंट) के रूप छात्र प्रस्तुत करेंगे।

सहायक ग्रंथ

संपादन कला – डॉ. यू.सी. गुप्ता
संपादन कला के विविध आयाम : शिखा श्रीवास्तव

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLAECC01	पाठ्यक्रम	हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
सेमेस्टर–01	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100

इकाई 1

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय ।
- उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास । पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण ।

इकाई 2

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार

इकाई 3

- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक

इकाई 4

- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध

इकाई 5

- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

सहायक ग्रंथ

हिन्दी व्याकरण विमर्श : तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन

हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरू

हिन्दी व्याकरण माला : डॉ. के. आर. महिया

मानव हिन्दी का व्यवहारपरक व्याकरण : रमेश चंद्र मेहरोत्रा

भाषा लोक : डॉ. मुकेश अग्रवाल

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म.प्र) 484887

पाठ्यक्रम संख्या	UG_HLAECC02	पाठ्यक्रम	हिंदी भाषा और संप्रेषण
सेमेस्टर–01	सैद्धांतिकी	क्रेडिट : 02	पूर्णांकः 100

इकाई 1

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी।

इकाई 2

- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
- स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष ।

इकाई 3

- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि ।

इकाई 4

- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य । वाक्य भेद । वाक्य का रूपान्तर ।

इकाई 5

- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन ।
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

सहायक ग्रंथ

भाषा और भाषा शिक्षण : रमाकांत अग्निहोत्री
हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
सामान्य भाषाविज्ञान– बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद
भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
संपर्क भाषा हिंदी – सं0 सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ0 रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना
नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
समसामयिक हिंदी में रूपस्वानिमिकी – सुधाकर सिंह